शिक्षक व पुस्तकों के अभाव में बंगला भाषा पर संकट

- बिहार सरकार के शिक्षा विभाग से बिहार में बंगला को बचाने का किया आग्रह
- अधिकारियों से समस्या के समाधान के लिए रचनात्मक पहल का निवेदन

प्रतिनिधि ▷ पूर्णिया

बंगला के शिक्षकों और पुस्तकों के अभाव के कारण बिहार में विलुप्त होती बंगला भाषा को लेकर बिहार बंगाली समिति संजीदा है. भाषा पर आए इस संकट को लेकर समिति ने गहरी चिन्ता जतायी है और कहा है कि इससे बंगलाभाषी छात्र-छात्राओं की परेशानी बढ़ गई है. समिति के सदस्यों ने बंगला भाषा को बचाने के लिए बिहार सरकार के शिक्षा विभाग के अधिकारियों से इस दिशा में सकारात्मक पहल करने का आग्रह किया है.

शहर के भट्ठा बंगला मिडिल स्कूल के प्रांगण में बिहार बंगाली समिति की पूर्णिया शाखा की हुई बैठक में बिहार में बंगाली समाज की मौजूदा स्थिति पर विचार विमर्श किया गया. बैठक पर्यवेक्षक के रूप में आए बिहार बंगाली समिति के सेंट्रल कमेटी के महासचिव सुनिर्मल दास ने कई बिन्दुओं पर फोकस किया. श्री दास ने कहा कि केंद्रीय समिति द्वारा बंगला शिक्षकों की कमी और बंगला पुस्तकों की अनुलब्धता के बारे मे बिहार सरकार के शिक्षा विभाग के वरीय अधिकारियों से मिलकर समस्या के समाधान के लिए निवेदन किया गया है ताकि विलुप्त हो रहे बंगला भाषा को बचाया जा सके. उन्होने भरोसा दिलाया कि शीघ्र ही राज्य के मुख्यमंत्री से भी मिलकर समस्या के समाधान का अनुरोध किया जाएगा. उन्होंने बताया कि कॉलेज में बंगला भाषा की पढ़ाई के लिए शीघ्र ही शिक्षकों की नियुक्ति की जाएगी.

इस अवसर पर समिति के अजय सान्याल ने कहा कि बंगला शिक्षकों की कमी और बंगला पुस्तक उपलब्ध नहीं रहने के चलते बंगला भाषी छात्रों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. इस वजह से बिहार से बंगला भाषा विलुप्त होने के कगार पर है. बैठक में आए समिति सदस्य प्रशांत कुमार चक्रवर्ती ने कहा कि पूर्णिया में बंगला भाषी छात्रों की कोई कमी नहीं है लेकिन पुस्तक और उचित संख्या में शिक्षकों के अभाव के चलते छात्रों को लाचार होकर मातृभाषा की पढ़ाई छोड़नी पड़ रही है.

बैठक में सर्वसम्मति से 2019-21 के लिए बिहार बंगाली समिति के पदाधिकारियों का चयन किया गया. इसमें अजय सान्याल को अध्यक्ष, रामायण प्रसाद, देवाशीष आचार्या एवं सुव्रत नियोगी व चैताली सान्याल को उपाध्यक्ष, अतनु मित्रा को सचिव, दीपक कुमार घोष,प्रशांत कुमार चक्रवर्ती, रवींद्र नहा, सुष्मिता भट्टाचार्या को ज्वाइंट सेक्रेटरी, नारायण चंद्र दास, आशीष गुहा, सोनाली चक्रवर्ती को सहायक सचिव, अमित कुमार भट्टाचार्य को कोषाध्यक्ष बनाए गये. इसके अलावा अंजन मुखर्जी, श्यामल दास, स्वपन चक्रवर्ती, पुतुल घोष, मीठू शॉ, स्वप्ना दे, परीक्षित देवशर्मा, गौतम आईच को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया जबकि अचिन्त कुमार बोस, तारा शंकर चटर्जी, प्रसेंजित राय, उत्तम कुमार दास केन्द्रीय समिति सदस्य बनाए गये.

बैठक • भट्टा बंगला मिडिल स्कूल के प्रांगण में हुई बैठक, बिहार-बंगाली समिति के अध्यक्ष बने अजय सान्याल

शिक्षक और पुस्तक की कमी से बांग्ला भाषा हो रही विलुप्त

भास्कर न्यूज | पूर्णिया

शिक्षक और पुस्तक की कमी से बिहार में बंगला भाषा विलुप्त हो रही है। ये बातें शुक्रवार को आयोजित बिहार बंगाली समिति पूर्णिया शाखा की बैठक में कही गई। प्रशांत कुमार चक्रवर्ती की अध्यक्षता में भट्टा बंगला मिडिल स्कूल के प्रांगण में बैठक हुई।

बैठक को संबोधित करते हुए अजय सान्याल ने कहा कि बांग्ला शिक्षकों की कमी और बंगला पुस्तक उपलब्ध नहीं रहने के कारण बंगला भाषी छात्रों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, और बिहार से बंगला भाषा विलुप्त होने के कगार पर है। प्रशांत कुमार चक्रवर्ती ने कहा कि पूर्णिया में बांग्ला भाषी छात्रों की कोई कमी नहीं है, लेकिन पुस्तक और उचित संख्या में शिक्षकों के अभाव के चलते छात्रों को लाचार होकर मातृभाषा की पढ़ाई छोड़नी पड़ रही है। सभा को संबोधित करते हुए सेंट्रल कमेटी के महासचिव सुनिर्मल दास ने बताया कि केंद्रीय समिति द्वारा बांग्ला शिक्षकों की कमी और बांग्ला पुस्तकों की अनुपलब्धता के बारे में

बिहार-बंगला समिति की बैठक में उपस्थित सदस्य।

बिहार सरकार के शिक्षा विभाग के वरीय अधिकारियों से मिलकर समस्या के समाधान हेतु निवेदन किया गया है ताकि विलुप्त हो रहे बांग्ला भाषा को बचाया जा सके। उन्होंने बताया कि शीघ्र ही राज्य के मुख्य मंत्री से भी मिलकर समस्या से निपटने का अनुरोध किया जायेगा।

उपाध्यक्ष बने रामायण प्रसाद

बिहार बंगाली समिति की बैठक में 2019-21 के लिए पदाधिकारियों का चयन सर्वसम्मति से किया गया। इसमें अध्यक्ष अजय सान्याल, उपाध्यक्ष रामायण प्रसाद, देवाशीष आचार्या, सुब्रत नियोगी, चैताली सान्याल, सचिव अतनु मित्रा, जाइंट सेक्रेटरी दीपक कुमार घोष, प्रशांत कुमार चक्रवर्ती, रवींद्र नहा, सुष्मिता भट्टाचार्या, सहायक सचिव नारायण चंद्र दास, आशीष गुहा, सोनाली चक्रवर्ती, कोषाध्यक्ष अमित कुमार भट्टाचार्य, कार्यकारिणी सदस्य अंजन मुखर्जी, श्यामल दास, स्वपन चक्रवर्ती, पुतुल घोष, मीठू शॉ, स्वप्ना दे, परीक्षित देवशर्मा, गौतम आईच, केन्द्रीय समिति सदस्य अचिन्त कुमार बोस, तारा शंकर चटर्जी, प्रसन्नजीत राय, उत्तम कुमार दास बने।

बांग्ला शिक्षकों की कमी से परेशानी

पूर्णिया | हिन्दुस्तान संवाददाता

बंग्ला शिक्षकों की कमी और बंग्ला पुस्तक की कमी से बंग्लाभाषी छात्र-छात्राओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस मसले को लेकर शुक्रवार को बिहार बंगाली समिति की जिला शाखा ने प्रशांत कुमार चक्रवर्ती की अध्यक्षता में एक बैठक की और इस पर चिंता जतायी। बैठक के दौरान नई समिति का चयन भी किया गया।

भट्ठा बंग्ला मिडिल स्कूल के प्रांगण में आयोजित इस बैठक में बिहार बंगाली समिति के सेंट्रल कमेटी के महासचिव सुनिर्मल दास पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित थे। बैठक को संबोधित करते हुए अजय सान्याल ने कहा कि बंग्ला शिक्षकों की कमी और बंग्ला पुस्तक उपलब्ध नहीं रहने के चलते बंग्लाभाषी छात्रों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बिहार से बंग्ला भाषा विलुप्त होने के कगार पर है। प्रशांत कुमार चक्रवर्ती ने कहा कि पूर्णिया में बंग्लाभाषी छात्रों की कोई कमी नहीं है। लेकिन पुस्तक और उचित संख्या में शिक्षकों के अभाव के चलते छात्रों को लाचार होकर मातृभाषा की पढ़ाई छोड़नी पड़ रही है। सभा को संबोधित करते हुए सेंट्रल कमेटी के महासचिव सुनिर्मल दास ने बताया कि केंद्रीय समिति द्वारा बंग्ला शिक्षकों की कमी और बंग्ला पुस्तकों की अनउपलब्धता के बारे में बिहार सरकार के शिक्षा विभाग के वरीय अधिकारियों से मिलकर समस्या के समाधान के लिए निवेदन किया गया है।

समस्या

- बांग्ला पुस्तकों की भी कमी झेलना पड़ रहा है छात्र-छात्राओं को
- कमी दूर करने के लिए विभाग से लगाई गई गुहार